समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

पाकिस्तान ने की बड़ी भूल, भारत के लिए खुला PoK और चुंब को मिलाने का रास्ता।

Publisher Published on 05 Jun 2025

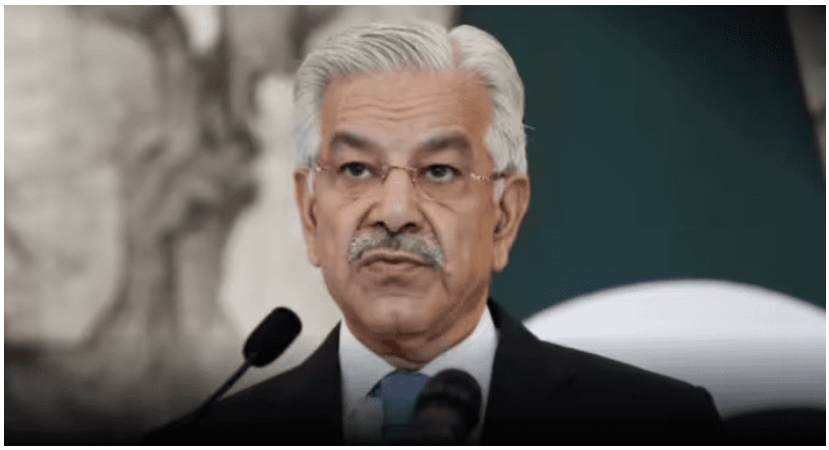

शिमला समझौते को 'Dead Document' कहकर फंसा पाकिस्तान, अब भारत के पास PoK पर फिर से दावा करने का अवसर।

नई दिल्ली, 5 जून 2025: पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत-पाक के बीच हुए ऐतिहासिक **शिमला समझौते (1972)** को "**Dead Document**" बता दिया है। उनके इस बयान ने भारत के लिए **पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK)** के **चुंब सेक्टर** पर फिर से दावा करने का रास्ता साफ कर दिया है।

शिमला समझौते का अंत, भारत के लिए मौका

पाकिस्तानी न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में **रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ** ने स्वीकार किया कि **शिमला समझौता** अब समाप्त हो गया है और यह अब कोई प्रभावी दस्तावेज नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने **LoC** को फिर से "**सीजफायर लाइन**" मानने की बात कही है, जिससे स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान अब किसी भी द्विपक्षीय समझौते का पालन नहीं कर रहा।

भारत के पास फिर से दावा करने का अधिकार

1971 के युद्ध के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर के चुंब सेक्टर पर कब्जा किया था, जिसे **शिमला समझौते** के तहत अस्थायी रूप से पाकिस्तान के नियंत्रण में रहने दिया गया था। अब जब पाकिस्तान ने इस समझौते को ही खत्म करार दिया है, तो भारत के पास यह दावा करने का नैतिक और कानूनी आधार है कि चुंब भारत का अभिन्न हिस्सा है।

चुंब क्यों है महत्वपूर्ण ?

१. **चुंब सेक्टर रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है**।

२. **1949 के सीजफायर एग्रीमेटं** के अनुसार यह भारत का हिस्सा था।

३. **1971 के युद्ध मे पंाकिस्तान ने दोबारा कब्जा** कर लिया और इसका नाम इफ्तिकाराबाद कर दिया।

४. **शांति समझौते के नाम पर इसे पाकिस्तान को सौंपा गया था, लेकिन अब वही समझौता खत्म हो गया है**।

चुंब के विस्थापितों को न्याय का रास्ता

पाकिस्तानी कब्जे के बाद हजारों परिवार भारत की ओर पलायन कर गए थे, जिन्हें आज तक उनका हक नहीं मिल पाया। अब भारत को एक बार फिर मौका मिला है कि वह न केवल कूटनीतिक स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाए।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.